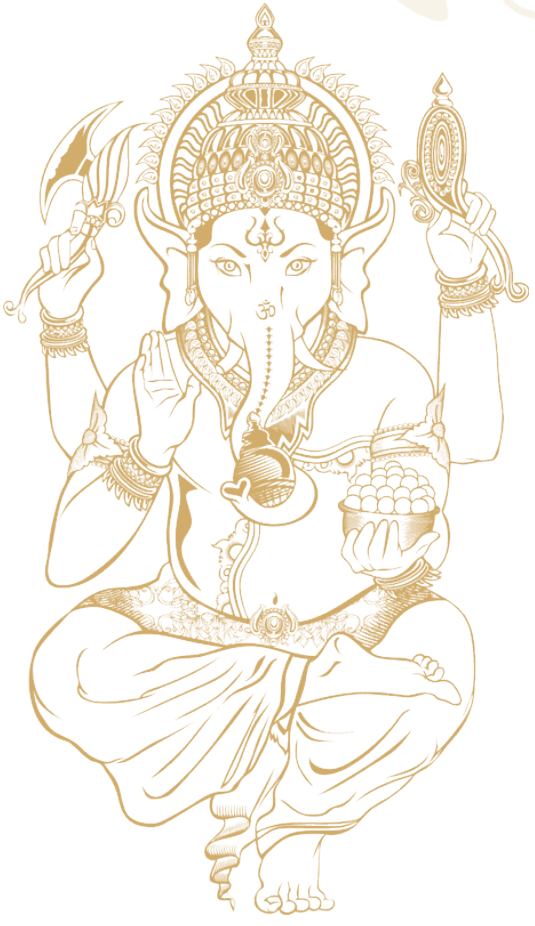

Parag Soni

16 Apr 2003

05:50 AM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121894104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/04/2003**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:50:00 घंटे**
इष्ट	59:25:03 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:22:00 घंटे
वेलान्तर	-00:00:10 घंटे
साम्पातिक काल	18:56:58 घंटे
सूर्योदय	06:03:58 घंटे
सूर्यास्त	18:52:52 घंटे
दिनमान	12:48:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:42:55 मेष
लग्न के अंश	26:04:08 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:04:08	494:45:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मेष	01:42:55	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	20:17:51	15:09:17	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	मित्र राशि
मंगल			मक	02:28:45	00:36:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध			मेष	21:17:11	01:01:26	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	14:23:04	00:02:13	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	29:15:44	01:12:23	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मिथु	00:41:06	00:05:13	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	05:56:03	00:04:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:56:03	00:04:14	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	07:50:48	00:02:21	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:02:34	00:00:58	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:53:59	00:00:45	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			धनु	19:12:29	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:55

लग्न-चलित

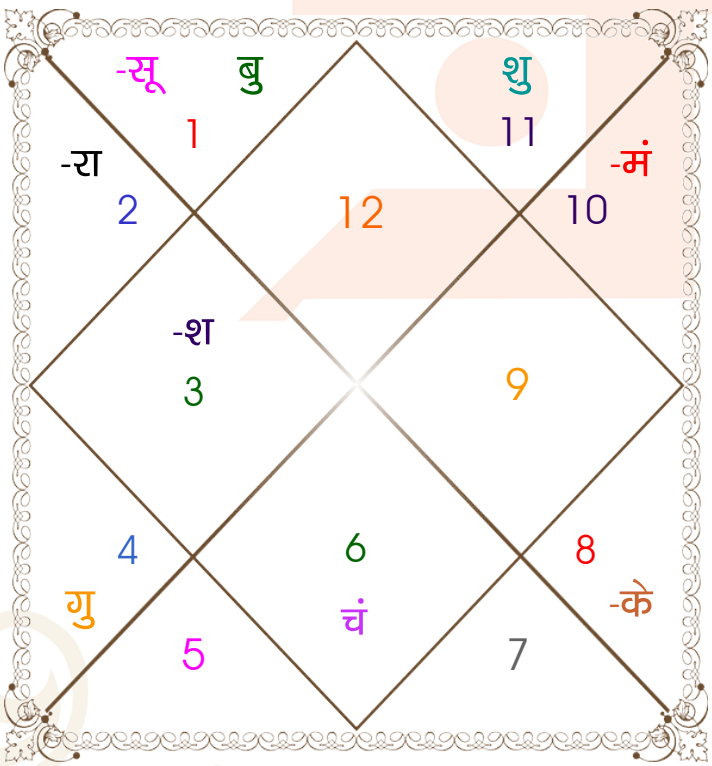

चन्द्र कुंडली

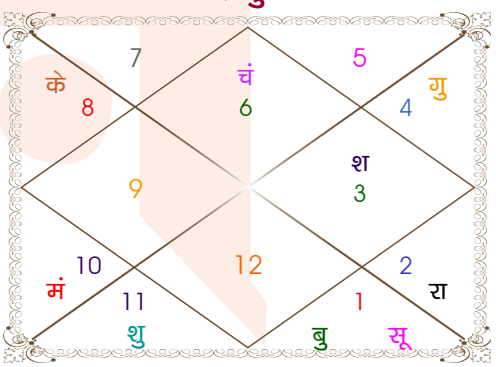

नवमांश कुंडली

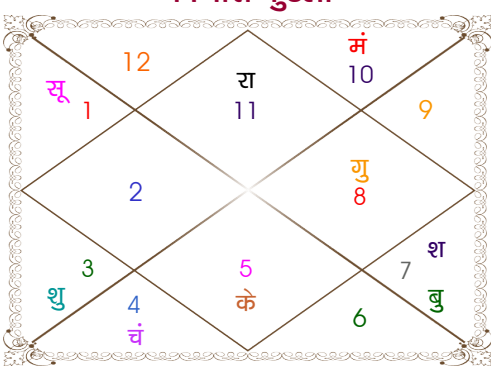

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 3 मास 9 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/04/2003		25/07/2005		25/07/2012		26/07/2030		26/07/2046	
25/07/2005		25/07/2012		26/07/2030		26/07/2046		25/07/2065	
	00/00/0000	मंगल	22/12/2005	राहु	07/04/2015	गुरु	12/09/2032	शनि	28/07/2049
	00/00/0000	राहु	09/01/2007	गुरु	31/08/2017	शनि	26/03/2035	बुध	07/04/2052
	00/00/0000	गुरु	16/12/2007	शनि	07/07/2020	बुध	01/07/2037	केतु	16/05/2053
	00/00/0000	शनि	24/01/2009	बुध	24/01/2023	केतु	07/06/2038	शुक्र	16/07/2056
	00/00/0000	बुध	21/01/2010	केतु	12/02/2024	शुक्र	05/02/2041	सूर्य	28/06/2057
	16/04/2003	केतु	19/06/2010	शुक्र	12/02/2027	सूर्य	24/11/2041	चंद्र	27/01/2059
केतु	26/05/2003	शुक्र	19/08/2011	सूर्य	06/01/2028	चंद्र	26/03/2043	मंगल	07/03/2060
शुक्र	24/01/2005	सूर्य	25/12/2011	चंद्र	07/07/2029	मंगल	01/03/2044	राहु	12/01/2063
सूर्य	25/07/2005	चंद्र	25/07/2012	मंगल	26/07/2030	राहु	26/07/2046	गुरु	25/07/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/07/2065		26/07/2082		25/07/2089		26/07/2109		27/07/2115	
26/07/2082		25/07/2089		26/07/2109		27/07/2115		00/00/0000	
बुध	22/12/2067	केतु	22/12/2082	शुक्र	24/11/2092	सूर्य	13/11/2109	चंद्र	26/05/2116
केतु	18/12/2068	शुक्र	21/02/2084	सूर्य	24/11/2093	चंद्र	15/05/2110	मंगल	25/12/2116
शुक्र	19/10/2071	सूर्य	28/06/2084	चंद्र	26/07/2095	मंगल	19/09/2110	राहु	26/06/2118
सूर्य	25/08/2072	चंद्र	27/01/2085	मंगल	24/09/2096	राहु	14/08/2111	गुरु	26/10/2119
चंद्र	24/01/2074	मंगल	25/06/2085	राहु	25/09/2099	गुरु	01/06/2112	शनि	27/05/2121
मंगल	21/01/2075	राहु	13/07/2086	गुरु	27/05/2102	शनि	14/05/2113	बुध	26/10/2122
राहु	10/08/2077	गुरु	19/06/2087	शनि	26/07/2105	बुध	21/03/2114	केतु	17/04/2123
गुरु	16/11/2079	शनि	28/07/2088	बुध	26/05/2108	केतु	27/07/2114		00/00/0000
शनि	26/07/2082	बुध	25/07/2089	केतु	26/07/2109	शुक्र	27/07/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।